

14.3.22

इसील उग्रप्राण उग्र उग्रप्राण ने जाहिर  
किया कि उग्रण में पक्षमारन के मध्य  
शरीरनाश हो गया है एवं वह इसील के  
अब भोगे नहीं खाया जाते हैं। पक्षमारन  
की उपस्थिति भोगे। एकरासद एवं पक्षमारन  
की जोर की गयी। अतः पक्षमारन इसी  
कारण पर जाहिर विद्वान् शरीरज की  
जाही है। पक्षार प्रेक्षण श्रुत्याद की जाकर  
ब्रह्मर है इस ही जाके एवं बाद जाकर  
जाहिरात कारन ही।

पु-प्राण विचारणी,  
पदेन  
वाचस्पति मण्डल अधिकारी  
धरमपुर संस-धौन्यु.

इस प्रकार का प्रमाण है कि उग्रप्राण  
की शरीरनाश हो गयी। उग्रप्राण  
की शरीरनाश हो गयी। उग्रप्राण

श्री  
S. S. S. S. S.  
14/3/22  
गोनीवाकर  
गजपीर  
विनेश  
दोमराई

कै. क. क. क. क.  
सिन्धी  
कै. क. क. क. क.  
भगवानदेई